शोधगंगा पोर्टल

चर्चा में क्यों?

वशि्ववदि्यालय अनुदान आयोग (UGC) के **शोधगंगा पोर्टल** पर अपलोड कयि गए शोध प्रबंधों के मामले में उत्तर प्रदेश के तीन वशि्ववदि्यालयों ने देश के **शीर्ष 10 संस्थानों** में स्थान प्राप्त कयि।

मुख्य बदि्

- शोधगंगा पोर्टल, जो देशभर के 840 वशि्ववदि्यालयों से 6,20,000 से अधकि प्रबंधों (Theses) का भंडार है, में उत्तर प्रदेश के संस्थान महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ताओं के रूप में उभरे हैं।
- इसमें **अलीगढ़ मुस्लमि वशि्ववदि्यालय (AMU), कानपुर वशि्ववदि्यालय और बनारस हदि् वशि्ववदि्यालय (BHU)** ने प्रमुख स्थान प्राप्त कयि हैं। यह उपलब्धि राज्य में उच्च शकि्षा, अनुसंधान और शैक्षणकि उत्कृष्टता पर बढ़ते ध्यान को रेखांकति करती है।
- **शीर्ष 10 राष्ट्रीय वशि्ववदि्यालय:**
    - अन्ना वशि्ववदि्यालय (17,028 शोध प्रबंध)
    - मद्रास वशि्ववदि्यालय (15,396)
    - कलकत्ता वशि्ववदि्यालय (14,837)
    - सावत्रिीबाई फुले पुणे वशि्ववदि्यालय (13,403)
    - मुंबई वशि्ववदि्यालय (12,527)
    - आंध्र वशि्ववदि्यालय (10,736)
    - अलीगढ़ मुस्लमि वशि्ववदि्यालय (10,709): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 7वाँ स्थान (UP में प्रथम)
    - छत्रपति साहूजी महाराज वशि्ववदि्यालय (10,279): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 8वाँ स्थान (UP में दूसरा स्थान) पंजाब वशि्ववदि्यालय (9,890).
    - बनारस हदि् वशि्ववदि्यालय (9,600): (UP में तीसरा स्थान)
- **अन्य UP वशि्ववदि्यालयों का योगदान:.**
    - लखनऊ वशि्ववदि्यालय: 8,683 शोध प्रबंध
    - चौधरी चरण सहि वशि्ववदि्यालय, मेरठ: 3,645 शोध प्रबंध
    - बुंदेलखंड वशि्ववदि्यालय: 2,335 शोध प्रबंध
    - पं. दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर वशि्ववदि्यालय: 1,161 थीससि
    - डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिकि वशि्ववदि्यालय, लखनऊ: 462 शोध प्रबंध

शोधगंगा: भारतीय शोध-प्रबंधों का एक डजिटिल भंडार

- **परचिय:**
    - **शोधगंगा** भारतीय **इलेक्ट्रॉनकि शोध-प्रबंधों** और शोध-प्रबंधों का एक **डजिटिल संग्रह** है, जसि **INFLIBNET केंद्र** द्वारा होस्ट तथा अनुरक्षति कयि जाता है।
    - यह **एम.फलि.** और **पीएच.डी. अनुसंधान** के लयि खुला मंच प्रदान करता है, जसिसे व्यापक **दृश्यता** सुनश्चिति होती है, दोहराव कम होता है तथा भारतीय वशि्ववदि्यालयों में अनुसंधान की **गुणवत्ता** बढ़ती है।
- **अधदिेश:**
    - **UGC (एम.फलि./पीएच.डी. डग्रिी प्रदान करने के लयि न्यूनतम मानक और प्रक्रयाि) वनियिमन, 2009 (संशोधति 2016)** के तहत, सभी शोधकर्त्ताओं को वैश्वकि **पहुँच** तथा **संरक्षण** की सुवधि के लयि अपने शोध प्रबंधों के **इलेक्ट्रॉनकि संस्करण** प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- **महत्त्व:**
    - "शोध" का अर्थ है **अनुसंधान**; "गंगा" भारत की **समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत** का प्रतीक है।\
    - दोनों मलिकर, **शोधगंगा** भारतीय **बौद्धकि उत्पादन** के भंडार का प्रतनिधित्वि करती है।
    - यह शोध के **दोहराव** को रोकता है, **गुणवत्ता** को बढ़ावा देता है तथा शोधकार्य को **डजिटिल रूप** में संरक्षति करता है।
- **वशि्ववदि्यालय एकीकरण:**

- वशि्ववदि्यालय **शोधगंगा** को केंद्रीय **बैकअप** के रूप में उपयोग करते हुए अपने स्वयं के **संस्थागत भंडार** बनाए रख सकते हैं।
- सभी शोध-प्रबंधों तक **एकीकृत पहुँच** प्रदान करने के लयि वतिरति रपॉिजटिरी से **मेटा डाटा** को केंद्रीय रूप से एकत्र कयिा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sodhganga-portal